| | | | |
|---|---|---|---|
| **वर्ष: 1** | | | **सत्र: 1** |
| कोर्स का शीर्षक: **प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य** | | | कोर्स कोड: **HIN-101** |
| कुल घंटों की संख्या: 90 | | | क्रेडिट: 6 |
| सैद्धांतिक: 60 | ट्यूटोरियल: 30 | प्रायोगिक: -Nil- | कुल कक्षा: 6 घंटे/सप्ताह |
| **परीक्षा की योजना**: | | | |
| सत्रांत परीक्षा (SEE): 80 | | आंतरिक मूल्यांकन: 20 | कुल अंक: 100 |

## पाठ्यक्रम

### भाग-1

● प्राचीन एवं मध्यकाल का परिचयात्मक इतिहास, परिस्थितियाँ, प्रवृतियाँ और कवि एवं रचना परिचय ।

### भाग-2

● ढोला मारू रा दूहा ( स. नरोत्तम दास स्वामी, सूर्यकरण पारीक)
(मारवणी रा संदेश) दोहा संख्या -110,111, 141 से 155 ।

● बीसलदेव रासो: नरपति नाल्ह, (स. डॉ. माताप्रसाद गुप्त , श्री अमरचंद नाहटा )
हिन्दी परिषद प्रकाशन, इलाहबाद, से चयनित पद -

गउरिका नंदन त्रिभुवन सार …….. (पद संख्या 1)
हंस गमणि मृगलोयणी नारि …… (पद संख्या 3)
हंस वाहणि देवी करि…… (पद संख्या 4)
भोजराज तणउ मिल्यउ छइ दिवाण …… (पद संख्या 6)
पंडित तोहि बालवइ …….. (पद संख्या 7)
बमण भाट बोलाविया …… (पद संख्या 8)
गढ़ अजमेरि बसइ रे भुआल……. (पद संख्या 9)
दिन्ही सोपारीयउ नइ …… (पद संख्या 10)

● विद्यापति: विद्यापति पदावली,( स.शिवप्रसाद सिंह) से चयनित पद-

नंदक नंदन कदम्बेरि तरुतरे……. (पद संख्या 8)
सुन रसिया अब न बजाऊ बिपिन ……..( पद संख्या 9)
विरह व्याकुल बदुल तरुतर…… (पद संख्या 26)
कुंज भवन स चलि भेलि हे…….. (पद संख्या 36)
सखि हे कतहु न देखि…….. (पद संख्या 55)

● रचनाकारों का व्यक्तित्व-कृतित्व , संकलित पदों से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न ।

## भाग-3

- कबीर: कबीर ग्रंथावली, (स. श्यामसुंदर दास) से चयनित पद-

  गुरु को अंग से पद सांख्य - 1,2,3,23,29 ।

  मन को अंग से पद सांख्य- 1,2,3,23,29 ।

- जायसी: जायसी ग्रंथावली (स. आचार्य रामचंद्र शुक्ल),( सिंहल द्वीप वर्णन खंड) से चयनित पद-

  पूंछा राजै कहू गुरु सुवा.....।

  तू राजा जस विक्रम आदी .....।

  सो गढ़ देखु गगनु तें ऊँचा .....।

  तहां देखु पद्मावती रामा .....।

  राजे कहा दरस जौं पावे.....।

- दादू: दादूदयाल, (स. परशुराम चतूर्वेदी) से चयनित पद-

  सुमिरन को अंग से पद सांख्य - 1,2,3,4,5 ।

  विरह को अंग से पद सांख्य- 1,2,3,4,5 ।

- रचनाकारों का व्यक्तित्व-कृतित्व, संकलित पदों से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न ।

## भाग-4

- सूरदास: भ्रमरगीत सार,(स. आचार्य रामचंद्र शुक्ल) से चयनित पद-

  कहियो नंद कठोर भए ..... (पद संख्या 02)

  पथिक ! संदेसों कहियो जाय .....( पद संख्या 09)

  आयो घोष बड़ों व्यापारी..... (पद संख्या 23)

  जोग ठगोरी ब्रज न बिकहे..... (पद संख्या 24)

  आए जोग सिखावन..... (पद संख्या 25)

  निर्गुण कौन देस को बासी ..... (पद संख्या 64)

  उर में माखन चोर गड़े..... (पद संख्या 95)

  बिन गोपाल बैरिन..... (पद संख्या 85)

- तुलसीदास : विनयपत्रिका, गो. तुलसीदास,( सं. वियोगी हरि),( विनय खंड) से पद संख्या 65 से 70 तक ।

  राम राम रमु..... (पद संख्या 65)

  राम जपु, राम जपु..... (पद संख्या 66)

  राम-नाम जपु जिय..... (पद संख्या 67)

  राम राम राम जीह .....(पद संख्या 68)

  सुमिर सनेह सों तू नाम .....(पद संख्या 69)

  भलो भली भाँति है जो मेरे .... ...(पद संख्या 70)

- मीरा से चयनित पद-

  भज मन चरन कँवल.....।

  राम रतन धन पायो.....

  आली री मेरे नयनन बान .....।

  दरस बिन दूखन लागे .....।

  बसो मेरे नैनन में नंदलाल.....।

- रचनाकारों का व्यक्तित्व- कृतित्व, संकलित पदों से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न ।

## भाग-5

- केशवदास: रामचंद्रिका से रावण-अंगद संवाद ।

- घनानंद: आनंदघन (स. रामदेव शुक्ल ) से चयनित पद-

  रैन-दिना घुटिबो करै प्रान .....(पद संख्या 21)

  अति सुधो सनेह को मारग है.....( पद संख्या 32)

  एरे बीर पौन तेरे सवै ओर गौन .....( पद संख्या 34)

  तिहारे कौन-कौन गुन गाऊं ..... (पद संख्या 59)

  भरोसो रावरो हमें..... (पद संख्या 65)

- बिहारी: बिहारी सतसई( स. जगन्नाथ दास रत्नाकर), प्रथम 10 दोहे ।

- रचनाकारों का व्यक्तित्व- कृतित्व, संकलित पदों से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न ।

**सहायक ग्रंथ** :


- नागेन्द्र: हिन्दी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैंक्स ,नोएडा ।
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल: हिन्दी साहित्य का इतिहास, नगरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
- हजारी प्रसाद द्विवेदी: हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- डॉ नवीन नंदवाना : काव्य संचयन, मालिक बुक कंपनी, जयपुर ।

| **वर्ष: 1** | | | **सत्र: 2** |
|---|---|---|---|
| कोर्स का शीर्षक: **कथा साहित्य** | | | कोर्स कोड**: HIN-102** |
| कुल घंटों की संख्या: 90 | | | क्रेडिट: 6 |
| सैद्धांतिक: 60 | ट्यूटोरियल: 30 | प्रायोगिक: -Nil- | कुल कक्षा: 6 घंटे/सप्ताह |
| **परीक्षा की योजना**: | | | |
| सत्रांत परीक्षा (SEE): 80 | | आंतरिक मूल्यांकन: 20 | कुल अंक: 100 |

## पाठ्यक्रम

**भाग-1**

- उपन्यास और कहानी: अर्थ और तत्व ।
- हिन्दी उपन्यास का उद्भव एवं विकास ।
- हिन्दी कहानी का उद्भव एवं विकास ।

**भाग-2**

- एक टोकरी भर मिट्टी(माधवसप्रे),शतरंज के खिलाड़ी (प्रेमचंद),पुरस्कार(जयशंकप्रसाद),ताई(विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक') और पराया सुख (यशपाल) कहानीयों से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न ।

**भाग-3**

- शरणदाता(अज्ञेय), खेल (जैनेंद्र), एक ओर जिंदगी(मोहन राकेश),अमृतसर आ गया (भीष्म साहनी) और संवदिया(फणीश्वरनाथ रेणु) कहानीयों से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न ।

**भाग-4**

- राजा निरबंसिया (कमलेश्वर), अभिमन्यु की आत्महत्या(राजेन्द्र यादव ),सजा (मन्नू भंडारी),बदलो के घेरे में (कृष्णा सोबती),जिनावर(चित्रा मुदगल ),कहानीयों से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न ।

**भाग-5**

- दौड़ उपन्यास (ममता कालिया) से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न ।

**सहायक ग्रंथ:**


- गोपालराय: हिन्दी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली ।
- नामवर सिंह: नई कहानी, राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली ।
- गोपालराय :हिन्दी उपन्यास का इतिहास ,राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली ।
- नागेन्द्र: हिन्दी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैंक्स ,नोएडा ।